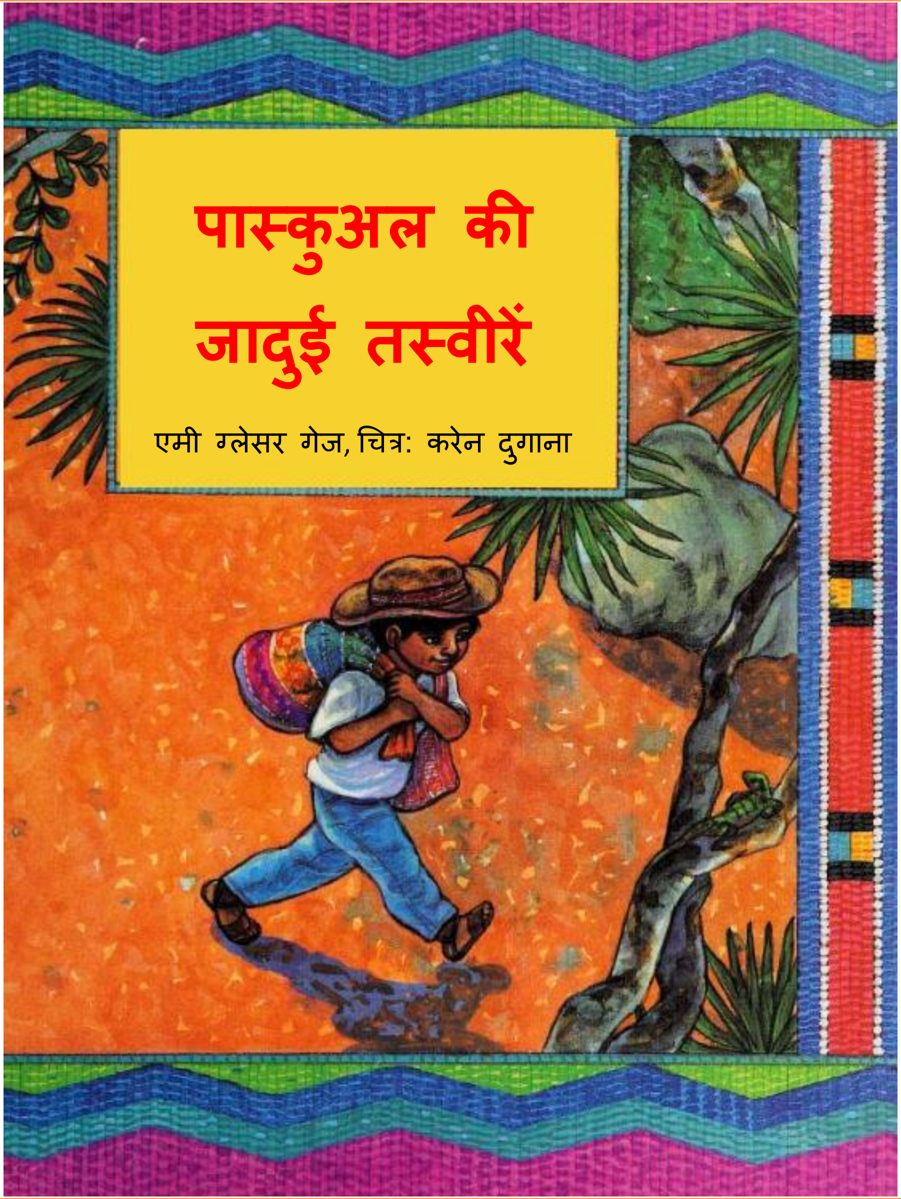
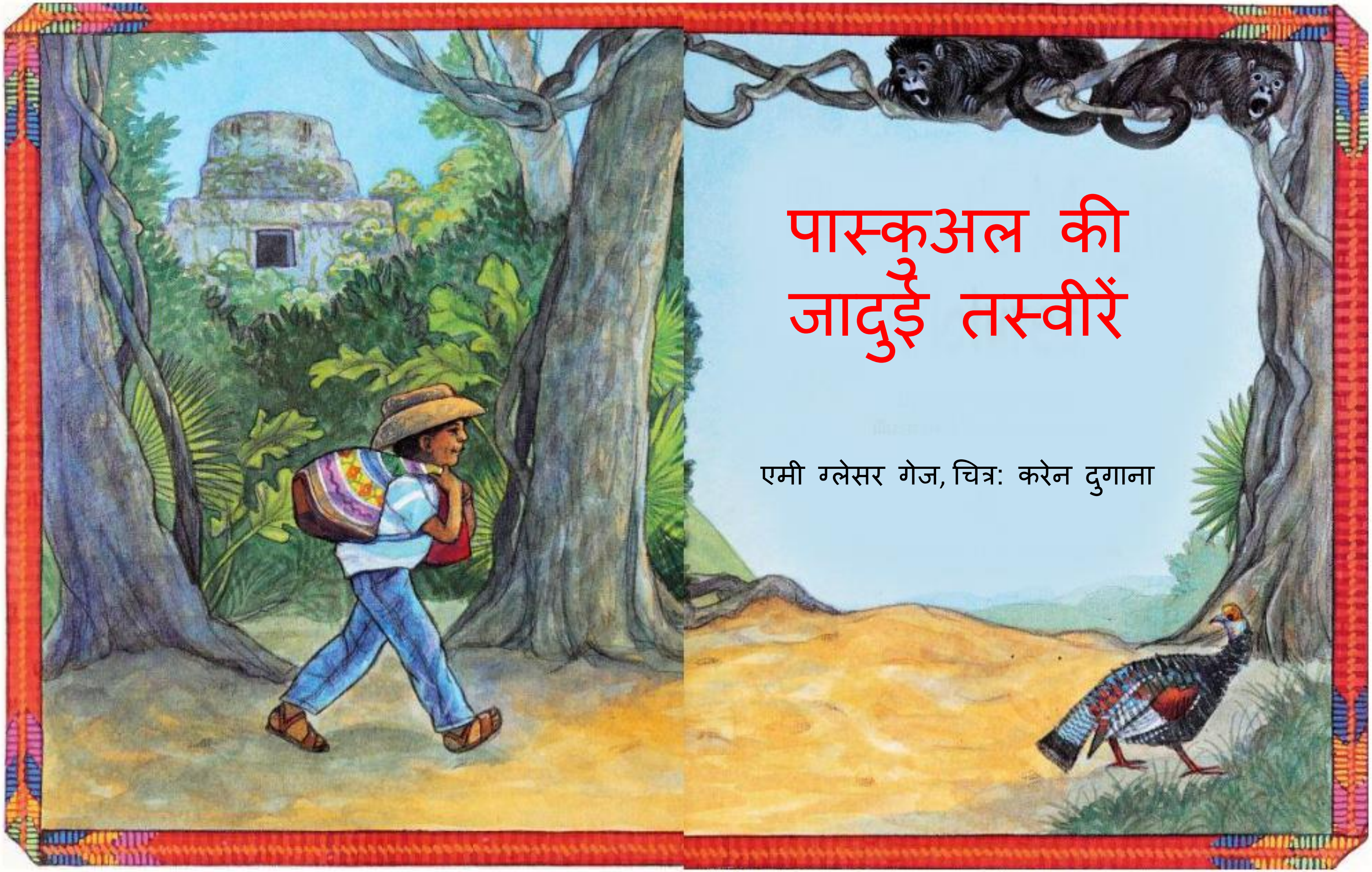
पास्कुअल की जादुई तस्वीरें

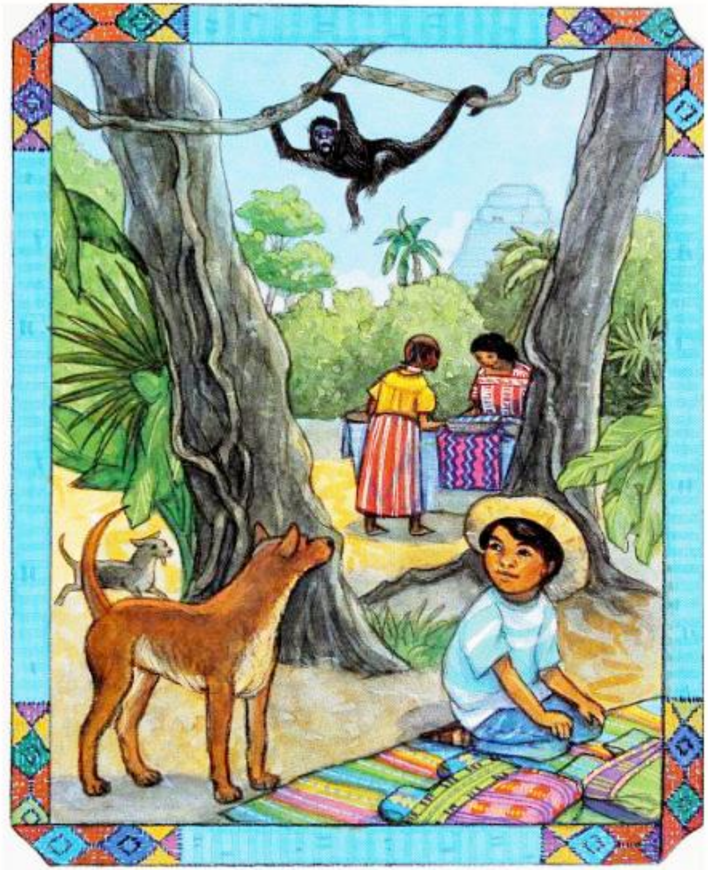
एमी ग्लेसर गेज, चित्र: करेन दुगाना





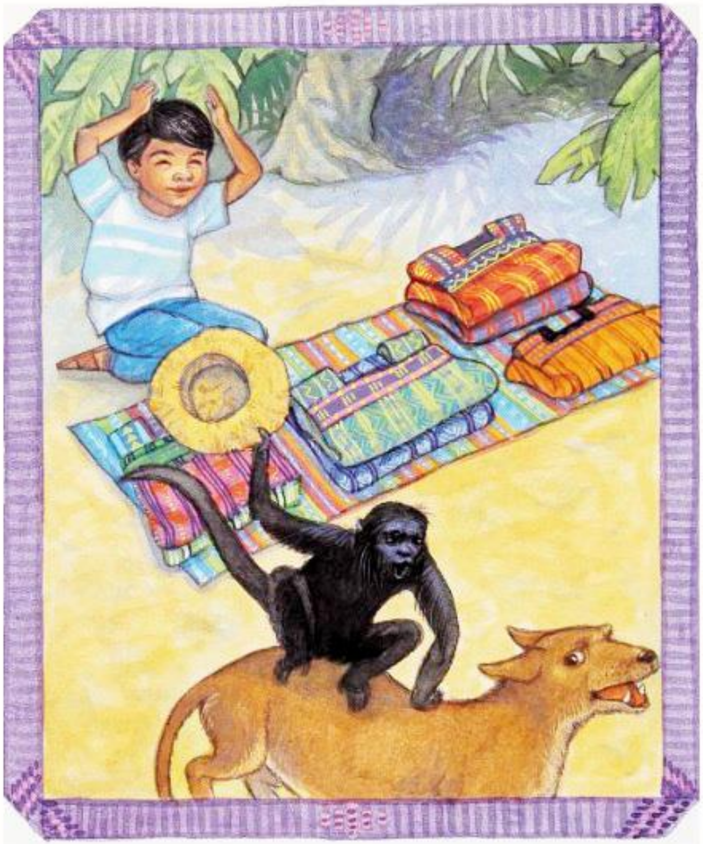
पास्कुअल की जादुई तस्वीरें

एमी ग्लेसर गेज, चित्र: करेन दुगाना



पास्कुअल ने पेड़ों की ओर देखा.

"काश मेरे पास एक कैमरा होता," उसने अपने आप से कहा, जब उसने एक बच्चे बंदर को, अपने सिर के ऊपर एक शाखा से दूसरी शाखा पर कूदते हुए देखा.



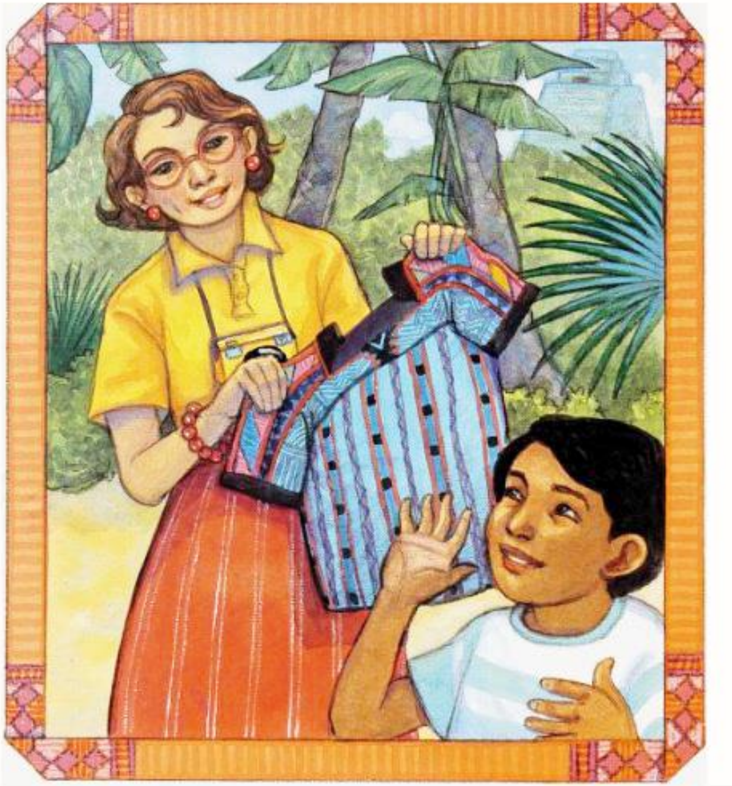
एक झटके में, बंदर ने पास्कुअल की टोपी छीनी और वो कुत्ते की पीठ पर सवार हो गया. कुत्ते ने अपना सिर घुमाया और कस के अपना मुंह बंद किया, लेकिन बंदर बहुत तेज था. बन्दर ने कुत्ते के ऊपर से छलांग लगाई और जमीन पर पड़े एक कंबल को पकड़ लिया.

"भागो, पागल बंदर!" एक व्यापारी चिल्लाया.



बंदर ने कंबल खींचा. रंगीन बुनाई के कपड़े, लकड़ी की नक्काशी, और बहुत से मोती सड़क पर बिखर गए.

पास्कुअल हंसते हुए जमीन पर गिर गया क्योंकि बंदर उसकी टोपी के साथ टिकल जंगल में गायब हो गया था.

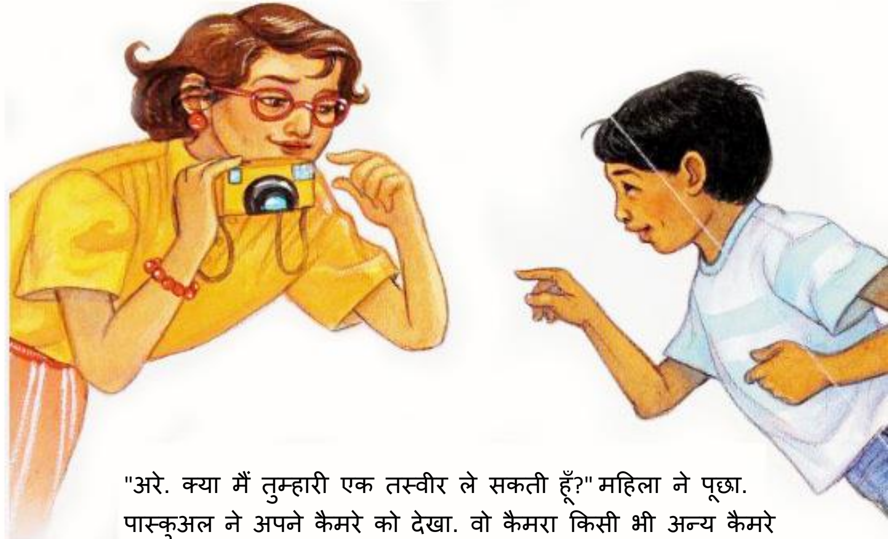


"माफ़ करना," एक महिला ने पास्कुअल की हंसी में दखल पहुंचते हुए कहा.

पास्कुअल ने एक मिलनसार चेहरे की ओर देखा. "आपको क्या पसंद है?" उसने अपनी अंग्रेजी का अभ्यास करते हुए महिला से पूछा. उसने अपने द्वारा बेची जा रही कमीजों की ओर इशारा किया.

"हाँ, बहुत पसंद है," महिला ने उत्तर दिया.

"दो कमीज़ों के लिए साठ क्विट्ज़ल," पास्कुअल ने जल्दी से कहा. औरत ने चालीस क्विट्ज़ल कहा, और फिर पचास में सौदा पक्का हुआ.



"अरे. क्या मैं तुम्हारी एक तस्वीर ले सकती हूँ?" महिला ने पूछा.

पास्कुअल ने अपने कैमरे को देखा. वो कैमरा किसी भी अन्य कैमरे से अलग लग रहा था. वो छोटा और पीला था और ऐसा लग रहा था जैसे वो गत्ते का बना हो. वो महिला की गर्दन से एक डोर से लटका हुआ था.

"क्या वो एक कैमरा है?" पास्कुअल ने पूछा.

"हाँ, यह एक डिस्पोजेबल कैमरा है," महिला ने उत्तर दिया. "आप इससे साथ बारह तस्वीरें ले सकते हैं और फिर इसे फेंक देते हैं."

"कैमरा को फेंकना?!"

महिला ने समझाया "फोटो लेने के बाद आप पूरा कैमरा कंपनी को भेज देते हैं." उसने बॉक्स पर कुछ शब्दों की ओर इशारा किया. "कम्पनी चित्र विकसित करके आपको वापस भेज देती है. मुझे लगता है कि बाद में वो कैमरे को फेंक देते होंगे."

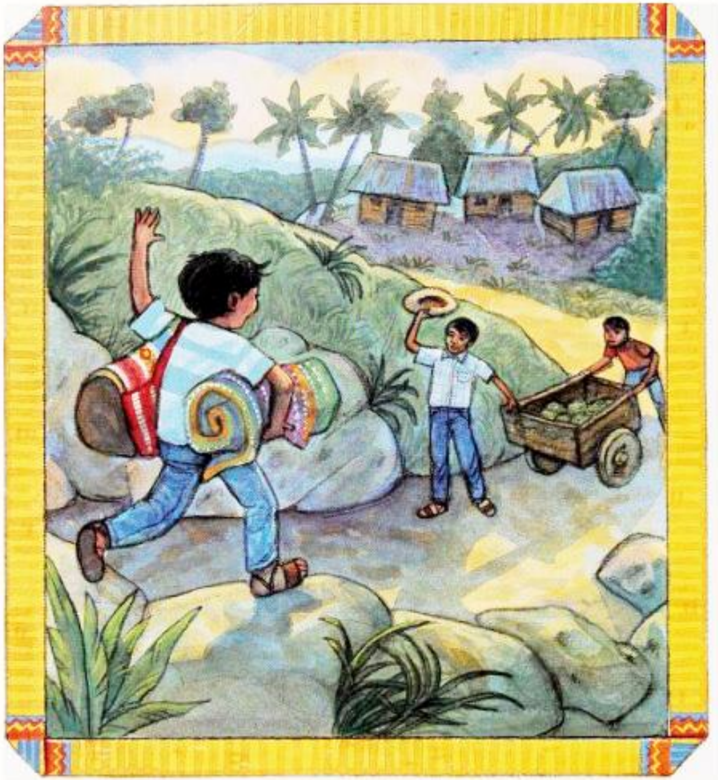
"इसका मूल्य क्या है?"

"करीब दस डॉलर." महिला ने कहा. "चलो देखते हैं ... एक डॉलर में पांच क्विट्ज़ल ... मतलब हुए..."

"पचास क्विट्ज़ल।" पास्कुअल ने कहा.

महिला ने मुस्कुराते हुए पास्कुअल को पांच क्विट्ज़ल और दिए. "इन पैसों को, कैमरे खरीदने में मेरी और से मदद समझो," महिला ने समझाया.

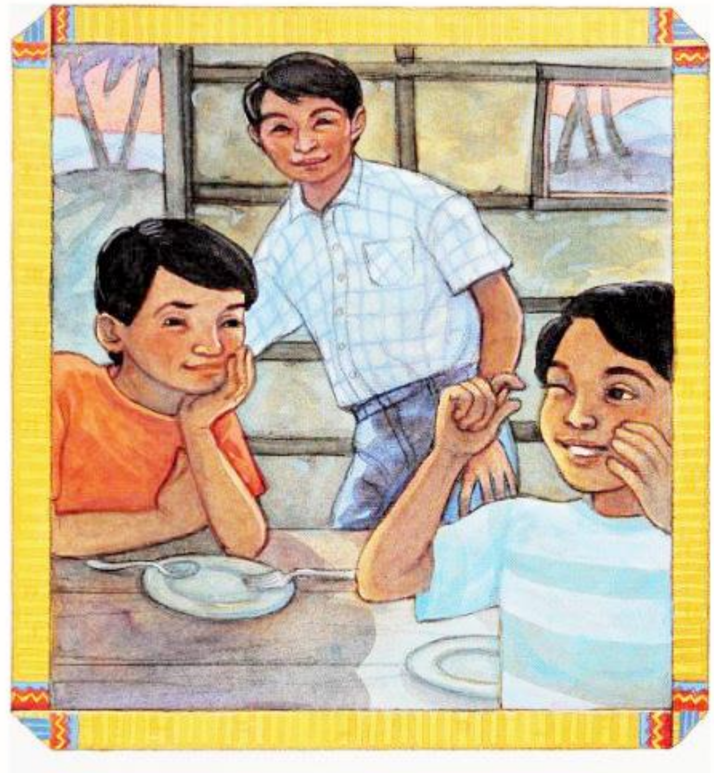
"धन्यवाद!!" पास्कुअल ने फोटो के लिए मुस्कराते हुए कहा.



उस शाम पास्कुअल अपने भाई और पिता से मिला, जो पास के खेत में काम कर रहे थे. घर की ओर जाते हुए उन्होंने बारी-बारी से अपनी गाड़ी को धक्का दिया. रात के खाने के बाद उन्होंने दिन भर की कमाई गिनी.

"कुछ पैसे और हैं," पास्कुअल ने कहा. फिर उसने उस सिकुड़े हुए नोट को दिखाया जो महिला ने उसे दिया था.

"तुम इसे अपने पास रखो," उसके पिता ने कहा. "तुमने ही इसे कमाया है."



पास्कुअल ने अपने पिता को धन्यवाद दिया और नोट को वापस अपनी जेब में रख लिया.

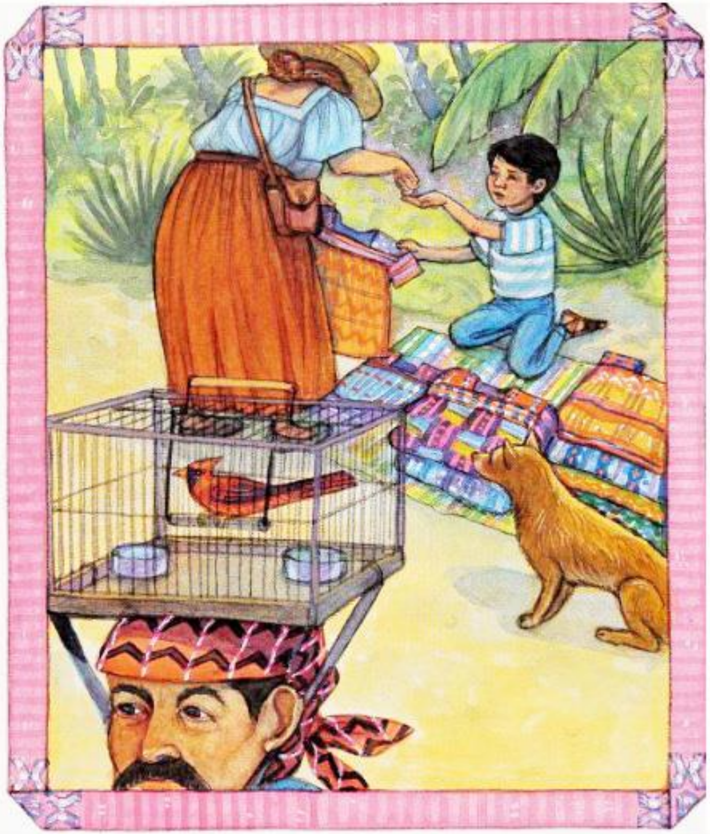
"मैं एक कैमरा खरीदने के लिए पैसे बचा रहा हूँ," उसने गर्व से कहा.

"किसके लिए?" उसके भाई टॉमस से पूछा.

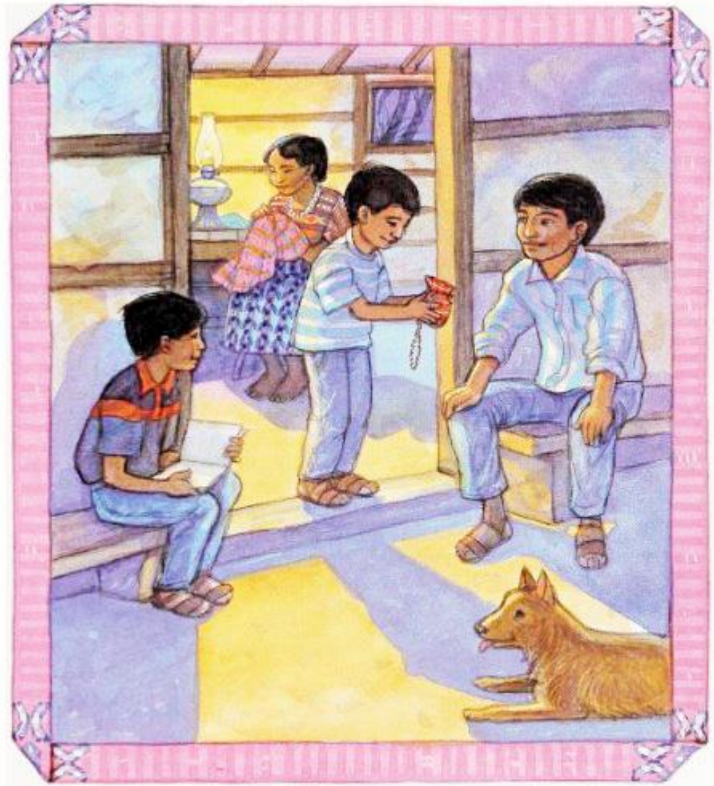
"मैं बंदरों की तस्वीरें लेना चाहता हूं."

टॉमस हँसा. "एक कैमरे के लिए पर्याप्त पैसे बचाने में तुम्हें सालों लगेंगे." उसने कहा. "उन पैसों को कोका-कोला और कैंडी पर खर्च करना ही बेहतर होगा."

"आप देखना," पास्कुअल ने कहा.



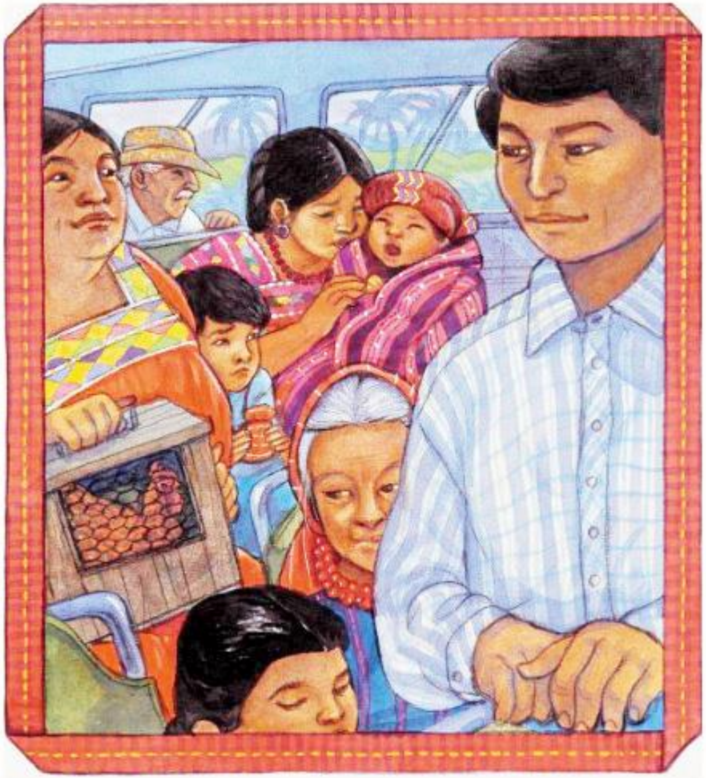
शनिवार को, पास्कुअल टिकल जांगले की बाहरी सड़क के किनारे अपनी दुकान स्थापित करने वाला पहला व्यापारी था. वो सबसे आखिरी में अपनी दुकान बंद करता था. और हर शनिवार की रात पास्कुअल अपने कमाए पैसों को एक छोटे से बटुए में रखकर उसे अपने गले में लटकाता था. हर हफ्ते, जैसे-जैसे बटुआ भारी होता गया, वैसे-वैसे कैमरे के लिए उसकी लालसा भी बढ़ती गई.



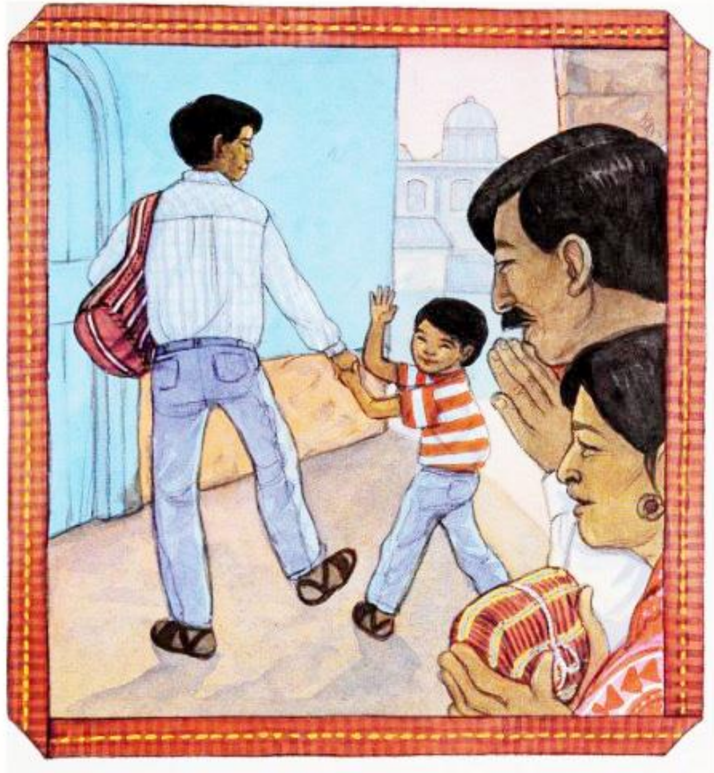
"मैंने कैमरा खरीदने के लिए पर्याप्त पैसे बचा लिए हैं." पास्कुअल ने एक शाम की घोषणा की. उसने अपने परिवार को डिस्पोजेबल कैमरे के बारे में बताया.

"पापा, क्या आप मुझे एक कैमरा खरीदने के लिए ग्वाटेमाला शहर ले जाएंगे?"

"वो एक बहुत लंबी यात्रा होगी," पिता ने उत्तर दिया. "लेकिन मैं तुम्हें अगले महीने, सप्लाई लाते टाइम अपने साथ ले जाऊंगा. वहां पर हम तुम्हारे चचेरे भाइयों के साथ रहेंगे."



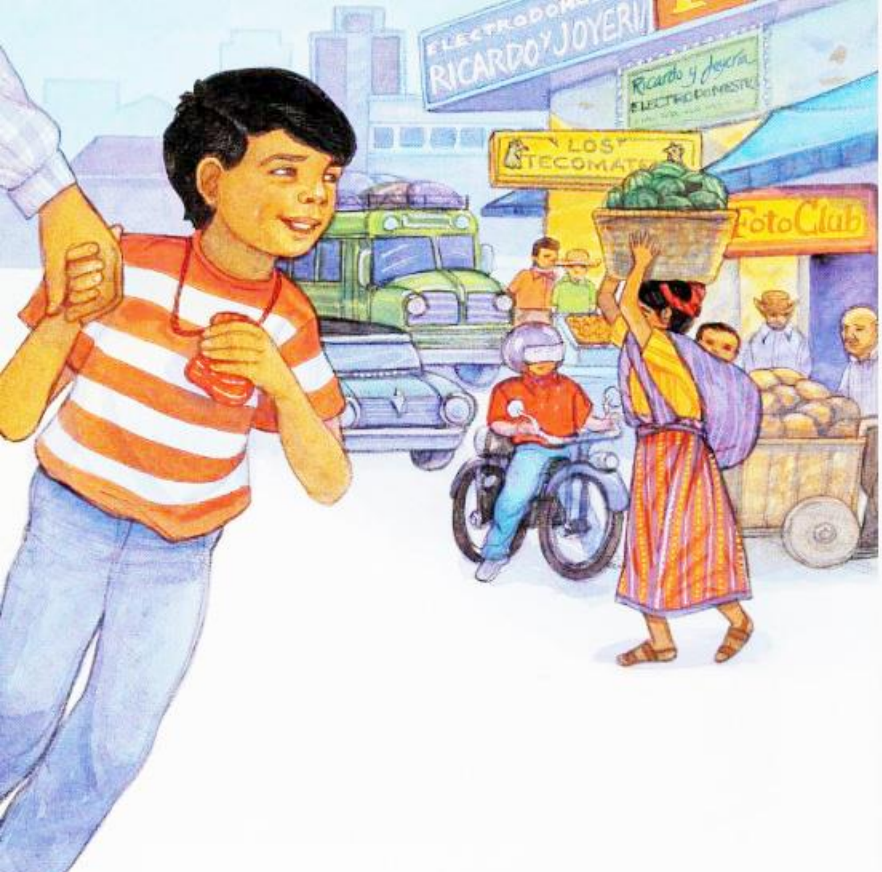
जब यात्रा का दिन आया तब पास्कुअल ने अपने पिता को जगाया. वे बस स्टॉप तक चलकर गए. पास्कुअल, दो किसान महिलाओं के साथ एक सीट पर बैठ गया. एक महिला शॉल में लिपटे एक बच्चे को पकड़े थी. पास्कुअल के पिता बस के बीच के गलियारे में खड़े थे. हर बार जब बस को झटका लगता, तो पास्कुअल का सिर ज़ोर से हिलता था, और उसके पिता लड़खड़ाते थे, और बच्चा बस में रोता था. पक्की सड़क पर पहुँचने से पहले उन्होंने कई घंटों तक ऊबड़-खाबड़ सड़क पर सवारी की.



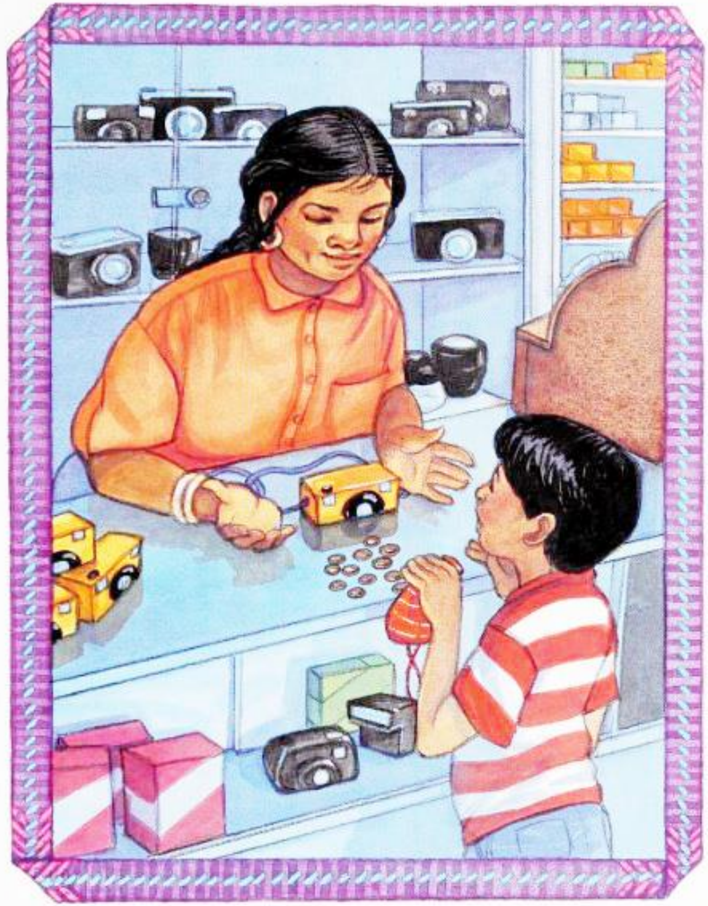
शाम के समय पास्कुअल और उसके पिता ग्वाटेमाला शहर के ठीक बाहर एक शांत सड़क पर बस से उतरे. हारे-थके वे अपने चचेरे भाई के घर गए.

अगली सुबह, उन्होंने अपने चचेरे भाइयों को कोको के बीज दिए जो वे टिकल के पास अपने खेतों से लाए थे और उनका धन्यवाद अदा किया.

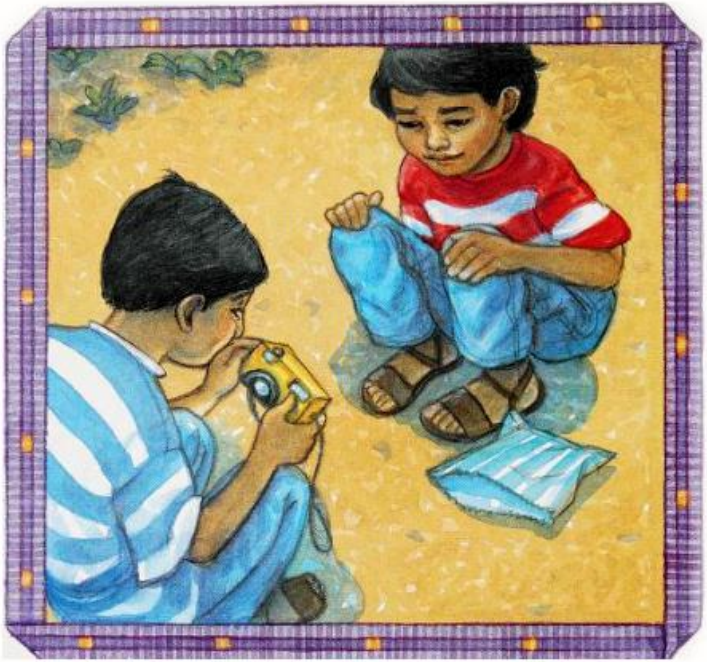
"बहुत सारी चॉकलेट बनाओ!" पास्कुअल ने उन्हें अलविदा कहते हुए पुकारा. फिर वो और उसके पिता ग्वाटेमाला शहर के सेंटर यानी मेन-मार्किट में चले गए.



पास्कल ने अपने पिता का हाथ कसकर पकड़ा. उसने इतनी तेजी से इतनी सारी चीजें चलती हुए पहले कभी नहीं देखी थीं और न ही कभी इतना शोर सुना था - कारों, बसों और मोटरसाइकिलों की गर्जना, हॉर्न बजना और रेहड़ी-पटरी वालों की आवाज़ें. वे मीठी रोटी और तरबूज का रस बेचने वाली दुकानों के पास से जल्दी से गुज़रे. पास्कुअल जानता था कि उसके पास इतना पैसा था कि वो एक कैमरा खरीद सकता था.



आखिरकार में उन्हें एक कैमरा स्टोर मिला. पास्कुअल ने तुरंत एक पीला कैमरा चुना, ठीक उसी तरह का, जैसे उसने महिला के गले में लटका हुआ देखा था.



"मुझे लगता है कि यह कैमरा अच्छी तस्वीरें नहीं लेगा." टॉमस ने पास्कुअल का कैमरा देखकर कहा.

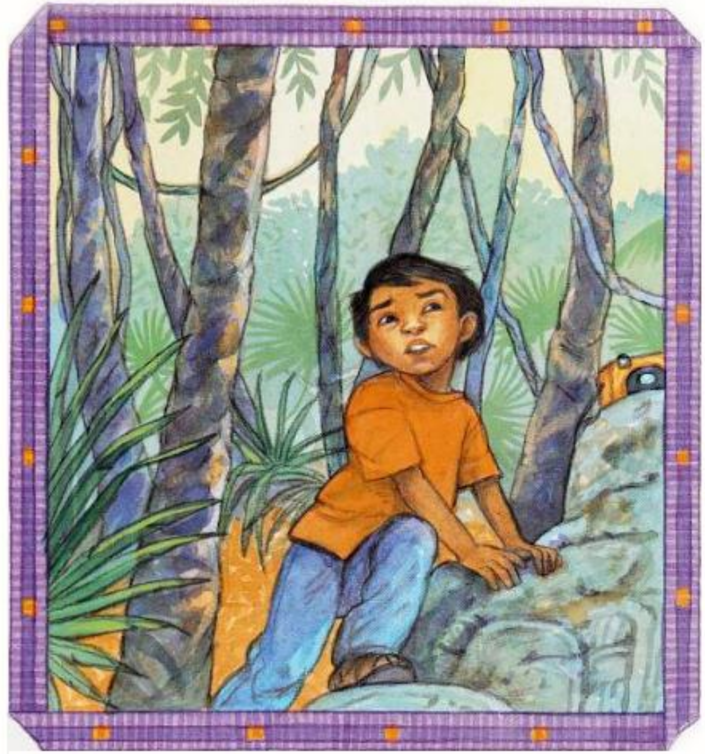
"नहीं वो अच्छी तस्वीरें लेगा," पास्कुअल ने कहा.

"तुम्हें क्या लगता है? सभी पर्यटकों के पास फिर अलग-अलग फैंसी कैमरे क्यों होते हैं?" टॉमस ने कहा. "उनसे वे बंदर की पीठ में छिपे पिस्सू की तस्वीरें तक खींच सकते हैं. तुम्हारा कैमरा ऐसा नहीं करेगा."

"तुम देखना," पास्कुअल ने कहा.

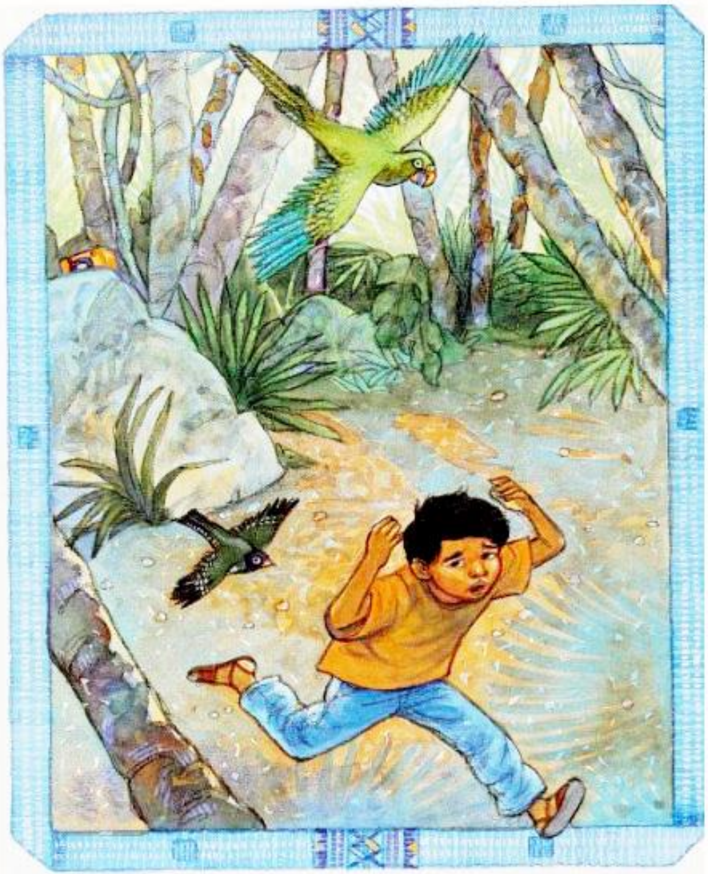
"मैं टिकल जंगल के अंदर अपनी तस्वीरें लेना चाहता हूं." पास्कल ने अपने पिता को बताया.

"ठीक है," पिता ने कहा. "लेकिन वहां पर जगुआर से सावधान रहना. क्योंकि जब तुम जंगल में होगे तो तुम जगुआर के क्षेत्र में होगे."



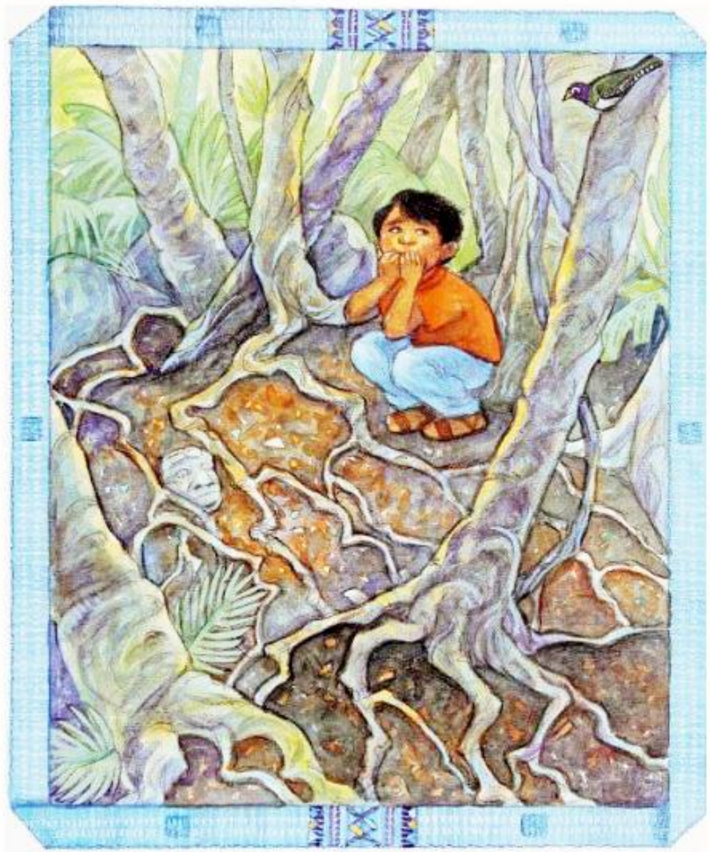
जैसे ही वो जंगल में दाखिल हुआ पास्कुअल समझ गया कि उसके पिता ने उसे सावधान रहने की चेतावनी क्यों दी थी. जंगल में अंधेरा था और अजीब-अजीब आवाजें आ रही थीं. जब अंत में वो एक महल के खंडहर के पास रुका, तो उसका शरीर उत्तेजना से काँपने लगा. उसने अपने चारों ओर जादू महसूस किया.

पास्कुअल ने बैग से अपना कैमरा निकाला और उसे अपने हाथ में रख लिया. फिर वो एक पत्थर की पटिया पर झुका और ऊपर की ओर देखने लगा.



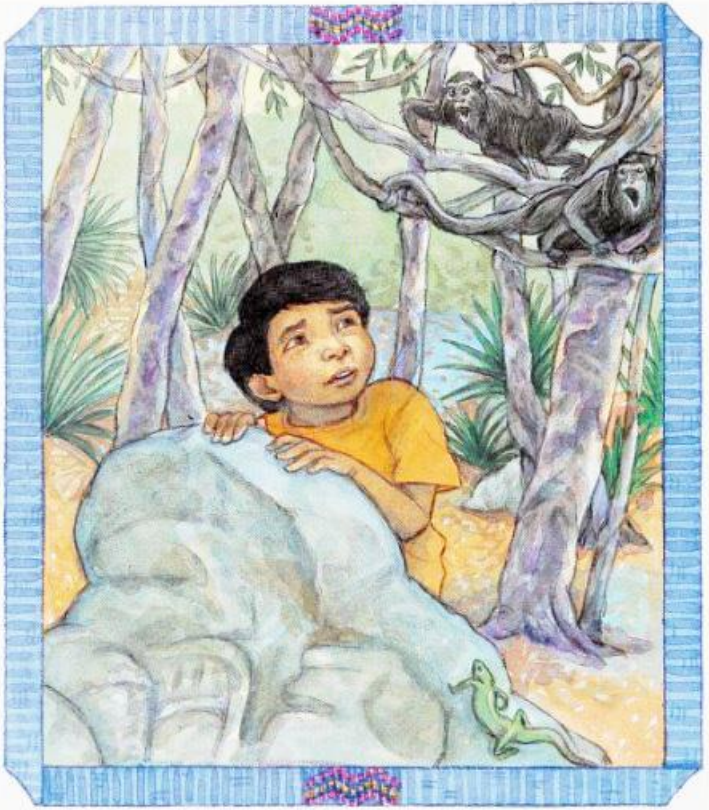
अचानक, एक गर्जना ने उसके दिल हिला दिया. निश्चित रूप से वो एक जगुआर होगा! पास्कुअल वहां से उछला और भागा. फिर जैसे उसे उसे अपने पिता की चेतावनी याद आई उसकी चाल धीमी हुई.

"आपको कभी भी जगुआर के पीछे अपनी पीठ नहीं करनी चाहिए. यदि आप जगुआर के आमने-सामने सामना होंगे तो फिर वो आप पर कभी हमला नहीं करेगा."



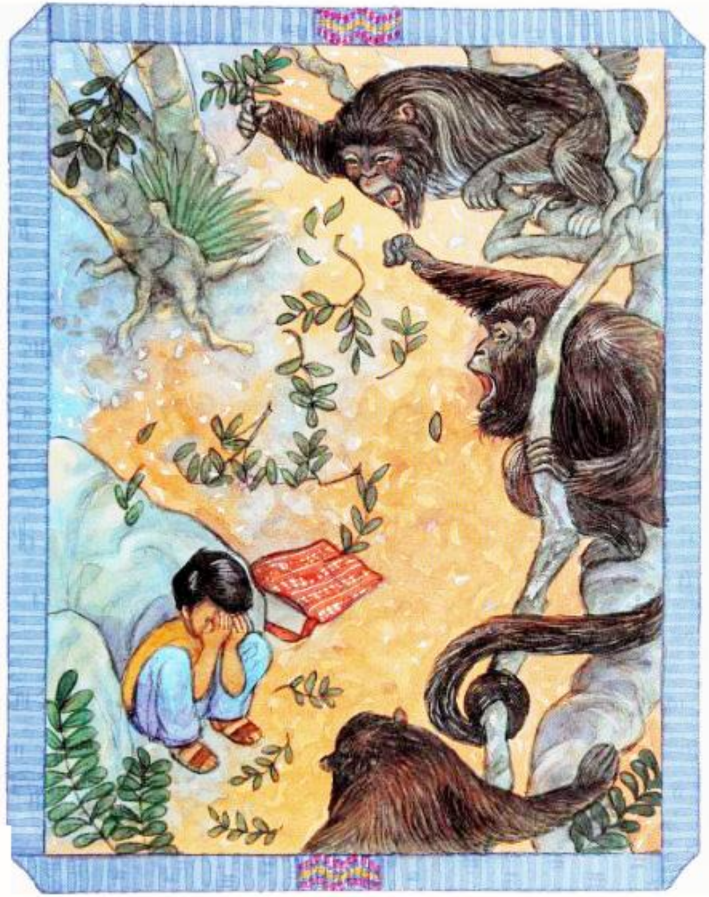
"मुझे भागना और दौड़ना नहीं चाहिए था," पास्कल ने जोर से कहा. "मुझे चोट लग सकती थी. और मैं अपना कैमरा भी वहां छोड़ आया हूँ."

पास्कुअल जानता था कि उसे वापस जाना ही होगा. उसने अपनी मुट्ठियाँ भींच लीं और एक गहरी साँस ली. फिर वो मुड़ा और वापस जाने लगा.

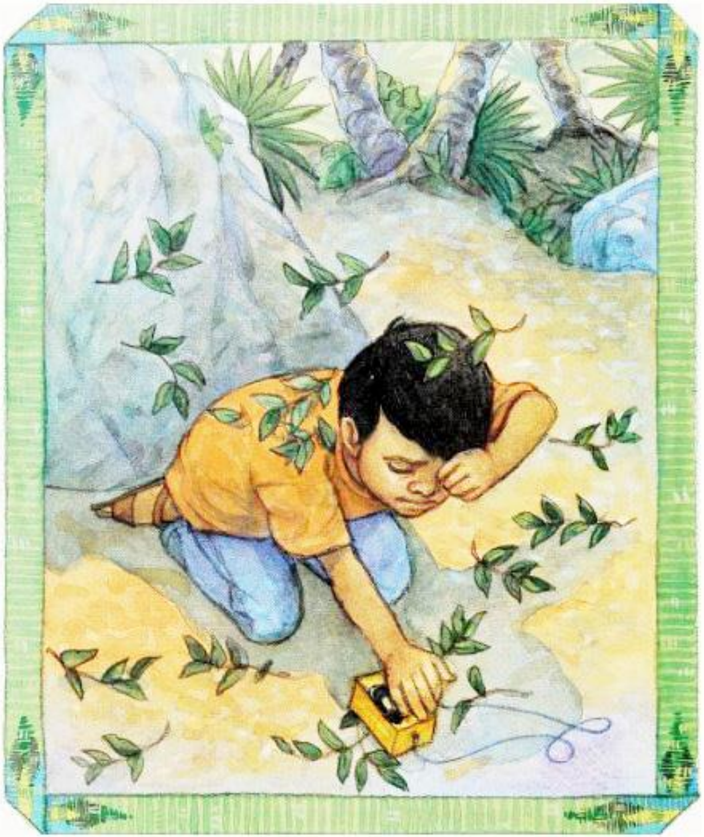


जल्द ही वह उस पत्थर की पटिया पर पहुंचा, जिस पर वह झुका था. लेकिन वहां उसे उसका कैमरा कहीं नहीं मिला.

तभी एक दहाड़ ने जंगल को चीर दिया. उस गहरी और शक्तिशाली आवाज़ से वो परिचित था. फिर अचानक पास्कुअल को असलियत पता चल गई. अब उसे भागना ज़रूरी था, जगुआर से नहीं, बल्कि बंदरों के परिवार से - उन्हीं जानवरों से जिनके फोटो वो खींचने आया था!

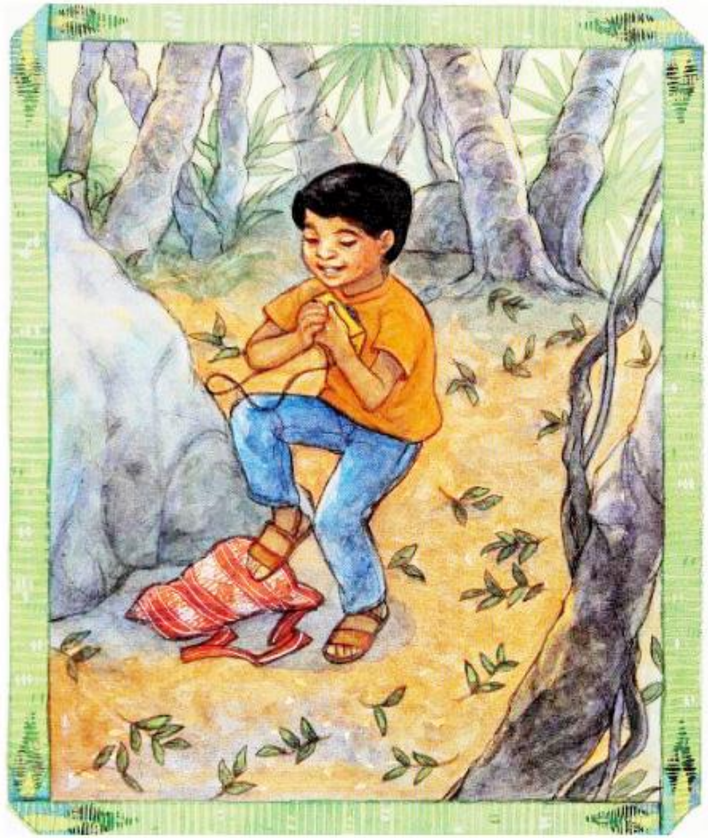


पास्कुअल जमीन पर गिर पड़ा और उसने अपना सिर अपने हाथों में दबा लिया. ऊपर के पेड़ से चीखते-चिल्लाते बंदरों ने उस पर पत्ते और टहनियाँ फेंकी.



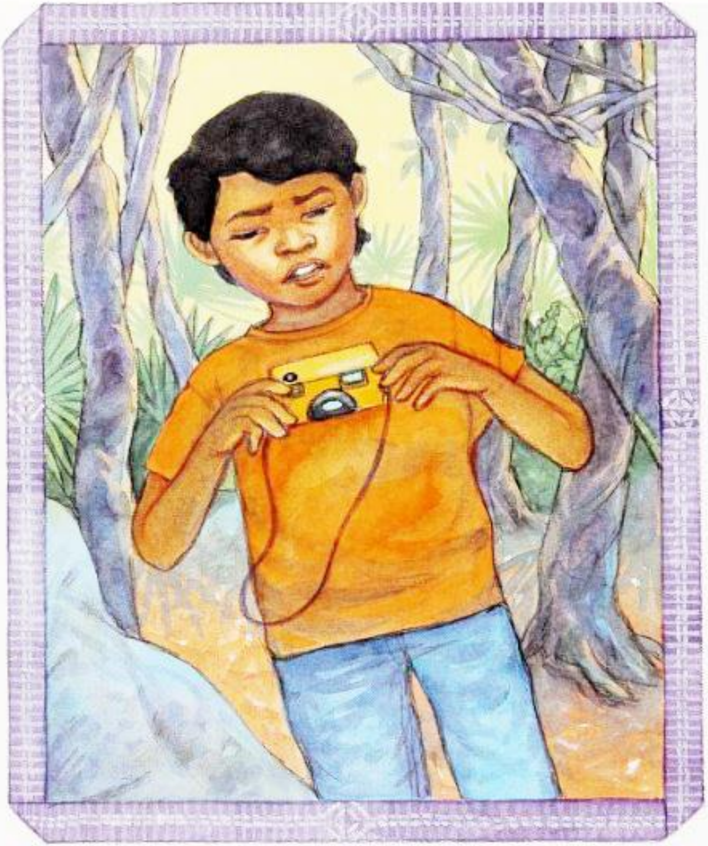
थोड़ी देर बाद, बंदर एक पड़ोसी पेड़ पर चढ़ गए, और फिर पास्कुअल ने अपना सिर ऊपर उठाया. उसने खुद को ऊपर उठाने के लिए अपने हाथ जमीन पर रखे.

"यह क्या है?" उसने कहा. उसने नीचे देखने के लिए एक हाथ उठाया. फिर उसका मुंह खुला-का-खुला रह गया. मुझे पता था कि वो एक जादुई जगह थी!"



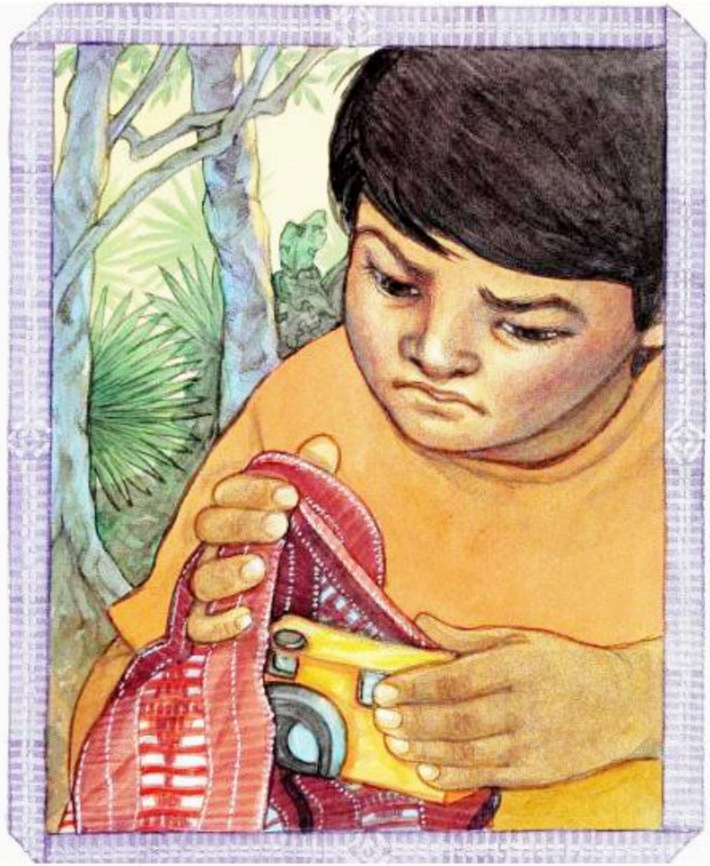
पास्कुअल ने अपना कैमरा पकड़ा और उसे अपने सीने से लगा लिया. फिर उसने बंदरों के लिए पेड़ों की चोटी पर देखा. लेकिन वे चले गए थे.

मेरी पहली तस्वीर इसी जगह की होगी, पास्कुअल ने सोचा. मुझे याद दिलाने के लिए कि मुझे बंदरों की दहाड़ से डरना नहीं चाहिए.

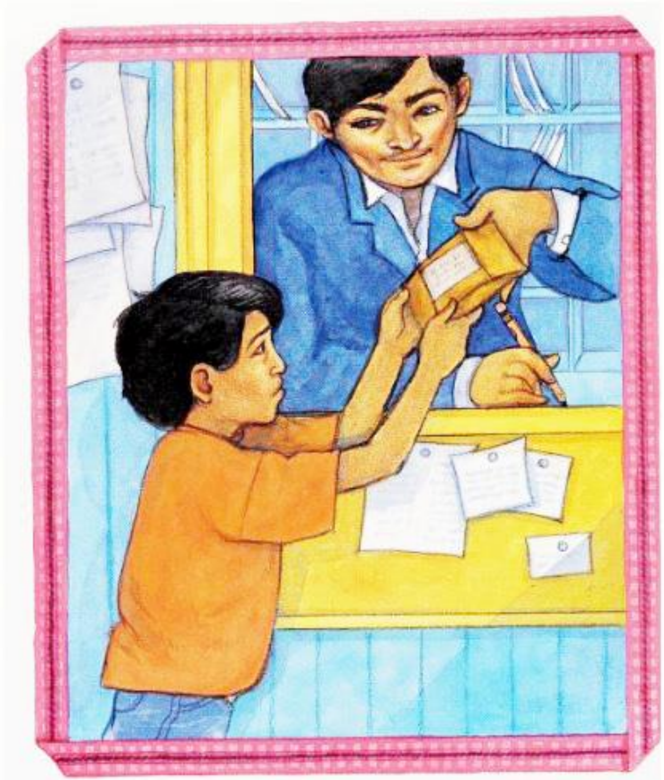


उसने कैमरे से निशाना साधा और बटन दबाया. लेकिन कुछ नहीं हुआ. उसने फिर से कोशिश की.

"लगता है कैमरा टूट गया है!" वो कैमरे पर चिल्लाया. फिर उसने कैमरे की खिड़की में "अंत" शब्द देखा. उसने सभी बारह चित्रों का उपयोग किया था. पर उसने तो एक भी फोटो नहीं खींचा था.



गुस्से में पास्कुअल ने कैमरा वापस अपने बैग में रख दिया और घर की ओर चल दिया. पूरे रास्ते में वो अपने कैमरे के बारे में सोचता रह. अब वो अपने परिवार को क्या बताएगा? अंत में, उसने उन्हें कुछ नहीं बताने का फैसला किया. वो कैमरे को कम्पनी को भेज देगा और इंतजार करेगा.



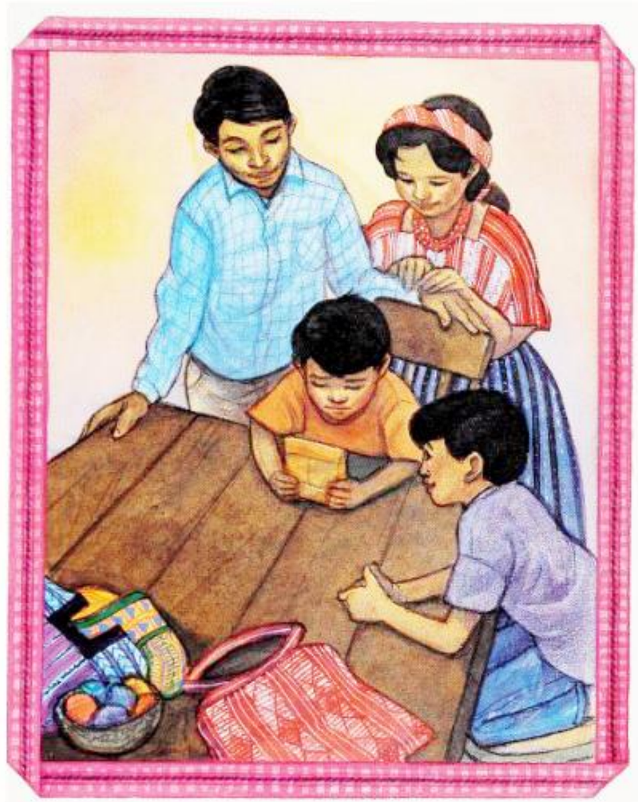
अगले छह सप्ताह तक, हर हफ्ते पास्कुअल पास के सांता एलेना के डाकघर में गया. पर हर हफ्ते, पोस्टमास्टर ने "न" में अपना सिर हिलाया. अंत में पोस्टमास्टर मुस्कुराया और उसने पास्कुअल को एक मोटा लिफाफा थमाया जिसमें फोटो थे.

"तुम्हारे हाथ में क्या है?" टॉमस ने पास्कुअल से घर आने के बाद पूछा.

"मेरी तस्वीरें."

"चलो, उन्हें खोलो!" टॉमस ने मांग की.

पास्कुअल के माता-पिता भी कमरे में भागे हुए आए.



"मैं उन्हें अकेले में खोलना चाहता हूँ," पास्कुअल ने कहा. फिर वो अपनी सोने वाली चटाई पर झुका उसने अपने घुटने टेके और लिफाफा फाड़ा.

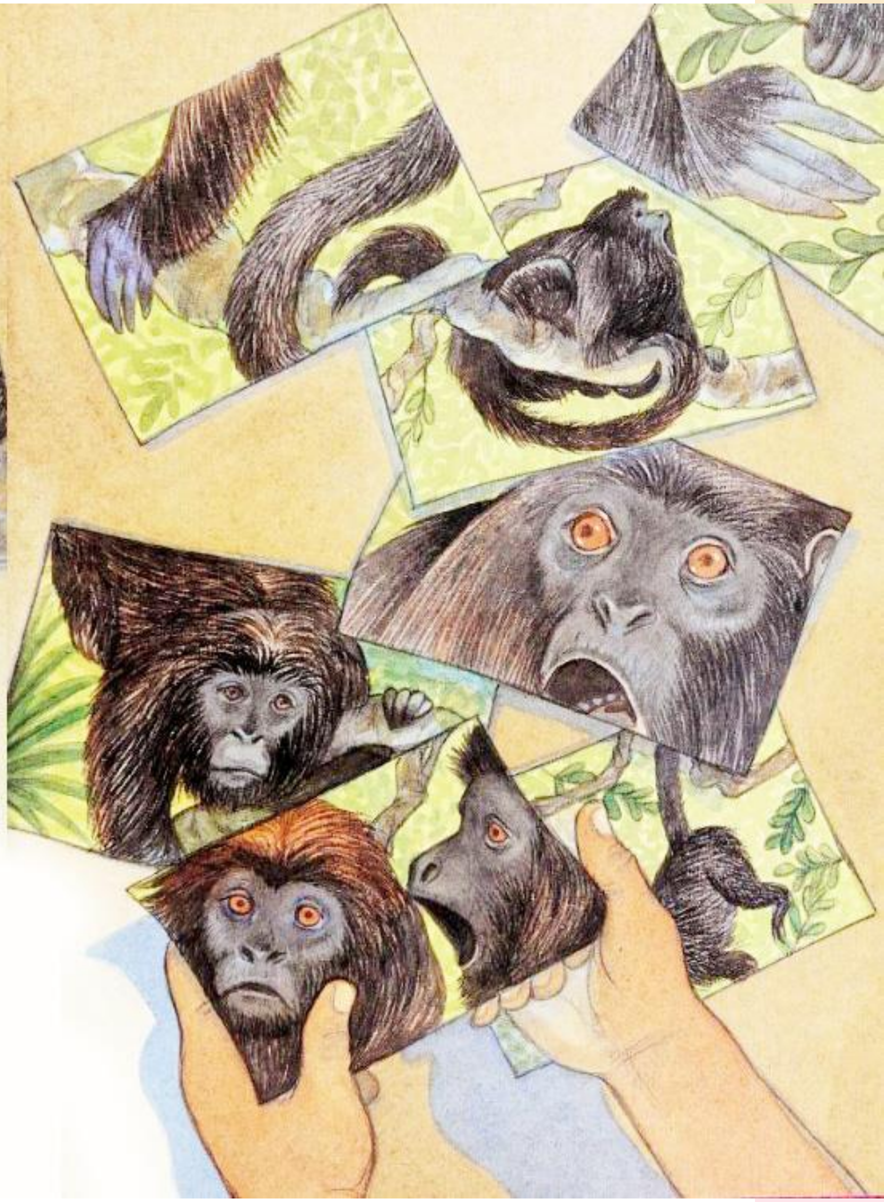
"अच्छा? वे कैसे हैं?" टॉमस ने पूछा.

पास्कल बहुत देर तक चुप रहा. इतने लंबे समय तक वो चुप रहा कि सच में उसका भाई भी चिंतित हो गया. "देखो?"

"वे हैं ... अद्भुत." पास्कुअल ने कहा.

"आइए देखते हैं!" टॉमस ने तस्वीरें छीनते हुए कहा.

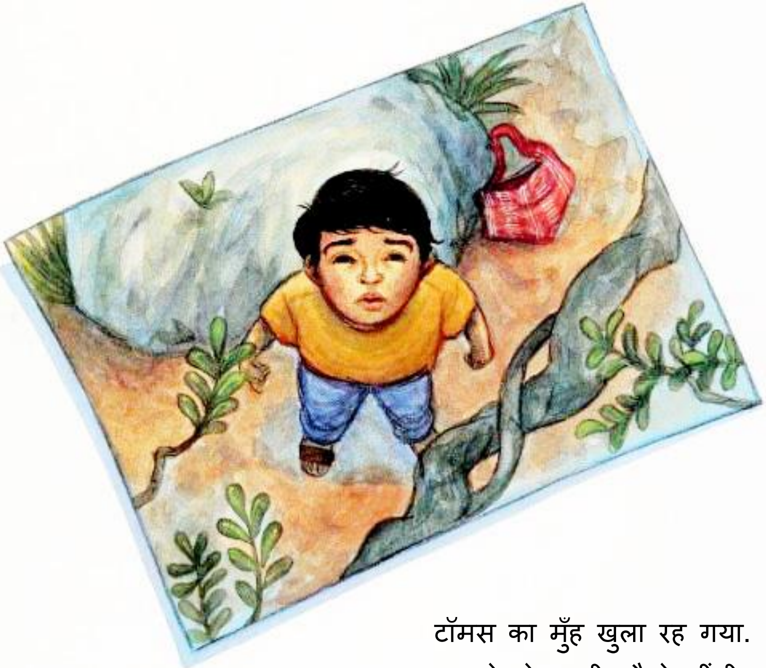




"अद्भुत," पास्कुअल की माँ और पिता ने उसी प्रतिक्रिया को दोहराया.

"बहुत खूब!" टॉमस फुसफुसाया. "लेकिन मैंने केवल ग्यारह फोटो ही गिनी हैं. क्या तुम एक फोटो छिपा रहे हो."

पास्कुअल ने अंतिम तस्वीर अपने परिवार के सामने रखी.



टॉमस का मुँह खुला रह गया.
"तुमने वो तस्वीर कैसे खींची?"
पास्कल मुस्कुराया.
"जादू," उसने कहा.

समाप्त